AND TOURISM (SHRI SHIVRAJ PATIL): (a) Yes Sir,

(b) One Westland helicopter had earlier crashed on 14th July, 1988 near Sanjichhat helipad.

(c) and (d) A representation was received alleging among others—(i) that, the accident was due to purchase of "Provenly substandard helicopter" and (ii) that, Pawan Hans Limited has flouted the norms of operation.

Westland W-30 helicopter was purchased after sustained techno-economic evaluations and the cause of accident will be known only after the statutory enquiry by DGCA is completed.

2. *[Transferred to the 24th February, 1988]*

कामकाजी माताओं के लिये "चल शिशुगृहें" (मोबाइल क्रेच) केन्द्र

3. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री 7 दिसम्बर, 1988 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सं० 3287 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मोबाईल क्रच फार वर्किंग मदर्स (कामकाजी महिलाओं के लिए चल शिशुगृह) नामक संस्था ने उसके द्वारा संचालित केन्द्रों के नाम तथा उनसे लाभान्वित व्यक्तियों के पते नहीं भेजे हैं और वह सरकारी नियमों का उल्लंघन करके धन का दुरुपयोग कर रहा है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार उक्त संस्था की किसी खुफिया एजेंसी द्वारा जांच कराने का विचार रखती है; और

(ग) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में युवा कार्य और खेल तथा महिला और बाल विकास विभागों में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट अल्वा) : (क) 7 दिसम्बर, 1988 के प्रश्न के उत्तर में लाभप्राप्तकर्ताओं की संख्या दी गयी थी, परन्तु उनके पते नहीं दिए गए थे क्योंकि वे प्रवासी / निर्माण कार्य करने वाले श्रमिकों के परिवारों से थे और चल शिशु गृहों द्वारा पते नहीं लिखे गए थे।

चल शिशु गृहों द्वारा पतों का रिकार्ड नहीं रखा जाता परन्तु रजिस्टरों में बच्चों का नाम, उनके पिता का नाम और बच्चे की आयु, लिंग आदि जैसे अन्य ब्यौरे दर्ज होते हैं। पतों का रिकार्ड नहीं रखा जाता क्योंकि चल शिशु गृहों का कार्य मुख्यतः निर्माण कार्य स्थलों पर होता है। अतः ठेकेदार और निर्माण कार्य स्थल का पता ही बच्चों और उनके अभिभावकों का पता होता है। जहां तक पुनर्वास कालोनियों में स्थित केन्द्रों का प्रश्न है, चल शिशु गृहों के पास इतना स्टाफ नहीं है कि वे ऐसी कामकाजी माताओं व बच्चों का रिकार्ड घर-घर जाकर दर्ज करें जो कूड़ा बटोरने, घरेलू काम करने आदि जैसे विभिन्न कार्यों में लगी होती हैं। एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है जिसमें दिल्ली में चालू वर्ष के दौरान चलाए जा रहे केन्द्र व उनके पते दिए गए हैं (नीचे देखिये)

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

विवरण

क्रम सं०	निर्माण कार्य स्थान	शुरू करने की तारीख
1.	कैलाश नाथ वर्कसाईट, 9, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली	अगस्त, 1985
2.	ओम प्रकाश बलदेव किशन, विश्वदीप बिल्डिंग वर्कसाइट डी-1, जनकपुरी, नई दिल्ली	अक्तूबर, 1984
3.	एन.बी.सी.सी. वर्कसाइट, 40 एम.जी.डी. प्रोजेक्ट केशवपुर, नई दिल्ली	दिसम्बर, 1984
4.	एन.बी.सी.सी. वर्कसाइट, राज्य सभा सोसाइटी वर्क्स, प्लाट नं० 4, प्रीतम पुरा, नई दिल्ली	जुलाई, 1986

5.	गुरबक्श सिंह बी.ए. बिल्डर्स, मोबाइल क्रैच्स बिल्डिंग, डी आई जैड एरिया, राजा बाजार, कनाट प्लेस, नई दिल्ली	जनवरी, 1987
6.	चावला टैक्नो कन्सट्रेक्शन, इटालियन एम्बेसी, सत्यमार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110021	जनवरी, 1987
7	अनन्त राज कन्सट्रक्शन, एम ई एस स्टाफ क्वार्टर्स, दिल्ली केन्टोनमेंट, नई दिल्ली	अक्तूबर, 1987
8.	जे.एन.यू. डिपार्टमेंट आफ इम्यूनडोजी चावला टेक्नो कन्स्ट्रक्शन, नई दिल्ली	नवम्बर, 1987
9.	मौसम विहार सेन्टर, मौसम कोआपरेटिव सोसाइटी, एन.बी.सी.सी. वर्क साइट, मंगोलपुरी, नई दिल्ली	दिसम्बर, 1987
10.	नं० 14, कस्तूरबा गांधी मार्ग, अर्सल वर्कसाइट, नई दिल्ली-110001	दिसम्बर, 1987
11	जे.जे. कालोनी कम्यूनिटि सेन्टर, डिस्पेन्सरी के पास, पंखा रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली	अक्तूबर, 1973
12.	"डी" ब्लाक सीमापुरी-I, डी.डी.ए. रिसैटलमेंट एरिया, नई दिल्ली	जनवरी, 1976
13.	ब्लाक "ए" सीमापुरी-II, डी.डी.ए. रिसैटलमेंट एरिया, दिल्ली	नवम्बर, 1977
14.	ब्लाक सी-51, खानपुर, डी.डी.ए. रिसैटलमेंट एरिया (नगर निगम स्कूल के पास), नई दिल्ली	जनवरी, 1976
15.	ब्लाक 13, त्रिलोकपुरी फेस-II डी.डी.ए. रिसैटलमेंट एरिया, नई दिल्ली	मई, 1977
16.	ब्लाक 3, नर्सरी स्कूल साइट, दक्षिण पुरी, एक्सटेंशन, डी.डी.ए. रिसैटलमेंट एरिया, नई दिल्ली	जनवरी, 1978
17.	ब्लाक "बी" (विराट सिनेमा के पीछे) दक्षिणपुरी, डी.डी.ए. रिसैटलमेंट एरिया, नई दिल्ली	मार्च, 1979
18.	डी.डी.ए. कम्यूनिटी सेन्टर, पांडव नगर, जे.जे. कालोनी, शादीपुर बस डिपो के सामने, नई दिल्ली	अगस्त, 1980
19.	डी.डी.ए. कार्यालय के पास नेहरू प्लेस शापिंग-सह-कार्यालय काम्पलैक्स (नेहरू प्लेस स्लम के पास) कालका जी, नई दिल्ली	दिसम्बर, 1974

श्री दुर्गा मंदिर कमेटी, सीलमपुर को अनुदान

4. **श्री सुनील कुमार पट्टनायकः** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री 30 नवम्बर, 1988 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सं० 2386 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि "दुर्गा मंदिर कमेटी" सीलमपुर, दिल्ली द्वारा सभी औपचारिकताओं तथा शर्तों को पूरा किये जाने के बावजूद इस संस्था को स्वीकृत अनुदान का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा उसे अनुदान का भुगतान कब तक कर दिया जायेगा और यदि भुगतान किये जाने की संभावना नहीं है, तो इसके क्या कारण है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में युवा कार्य और खेल तथा महिला और बाल विकास विभागों